

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) : मैं सरकार का ध्यान दिल्ली राज्य में अस्पतालों की तरफ दिलाना चाहता हूँ। यहाँ पाँच सितारा अस्पतालों की कमी नहीं है। लेकिन दिल्ली में 75 प्रतिशत गरीब लोग गाँवों में अनियमित कालोनी व झुग्गी-झोपड़ियों में रहते हैं जो उन पांच सितारा अस्पतालों में इलाज करने की सोच भी नहीं सकते। क्योंकि वहाँ चिकित्सा सुविधा इतनी महँगी है कि गरीब का आशियाना भी बिक जाए तब भी वे उनका बिल नहीं चुका सकते। अगर कोई गरीब भर्ती हो भी जाए तो जीवन भर उस कर्ज को नहीं चुका सकता जो कर्जा लेकर बिल भरते हैं।

माननीय वित्त मंत्री साहब ने पिछले बजट में घोषणा की थी कि दिल्ली में एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का निर्माण दक्षिणी दिल्ली संसदीय क्षेत्र में करेंगे व 50 करोड़ रुपये मद के पहले चरण में बजट में व्यवस्था की थी लेकिन दिल्ली सरकार ने अब तक इस संबंध में कोई योजना तैयार नहीं की।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि सरकार राज्य सरकार एनसीआर के रूप में संज्ञान ले तथा उक्त अस्पताल के कार्य को प्रारंभ करायें जिससे दक्षिणी दिल्ली देहात व कालोनियों के लोग अपना इलाज करा सकें व स्वास्थ्य लाभ ले सकें क्योंकि दक्षिणी दिल्ली लोक सभा में एक भी बड़ा सरकारी अस्पताल नहीं है तथा क्षेत्र की आबादी लगभग 36 लाख है व गाँवों से तथा क्षेत्र से लगभग 15 से 20 किलोमीटर गरीब लोगों को सफ्टरजंग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की तरफ भागना पड़ता है तथा सड़कों पर जाम से जूझना पड़ता है। कुछ भयंकर बीमारी जैसे हृदय गति या सड़क दुर्घटना के मामले में तो मरीज की अस्पताल पहुंचने के समय तक मौत हो जाती है। कृपया उन गरीब परिवारों की समस्या को देखते हुए सरकार इस ओर ध्यान दे।